जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

WHY IS THE STATE OF ASSAM SO UNSTABLE !!

In order to achieve a strong hold, Indira opened gates for Bangladesh Muslims who were only waiting for this opportunity to move in, on to fertile lands.

What's The Best Way To Store Carbon Dioxide

Switzerland has set itself an ambitious goal

वैज्ञानिकों ने हाल ही में नागालैंड की मीलक नदी में मछली की एक नई प्रजाति खोजी है। नागालैंड के फज़्ल अली कॉलेज के जंतु विज्ञान के प्रोफेसर लिमाकुम के नाम पर इसका नाम बाडिस लिमाकुमी रखा गया है। इस खोज का ब्यौरा जर्नल ज़ूटैक्सा में छपा है। नई प्रजाति की खोज मोकोथुंग जिले में हुई है। नई खोजी गई मछली, छोटी फ्रैशवॉटर फिश बाडिडे फैमिली की है। बाडिडे फैमिली में कुल 26 प्रजातियों की खोज हुई है। ताजे पानी और हल्के जल प्रवाह में रहने वाली ये मछलियां भारत, बांगलादेश, नेपाल, पाकिस्तान, थाईलैंड और म्यान्मार में मिलती हैं। बाडिडे फैमिली के बाडिस जीनस में अब तक 14 प्रजातियां थीं अब नई खोज से इनकी संख्या 15 हो गई है। लिमाकुम को यह मछली नागालैंड की नदियों में मछलियों के अध्ययन के दौरान मिली थी। नई प्रजाति अपने बड़े आकार व अन्य विशेषताओं के कारण फैमिली की अन्य प्रजातियों से भिन्न है। मुख्य शोधलेखक प्रवीनराज जयसिम्हन, जो कि आई.सी.ए.आर. सैंट्रल आइलैंड एग्रीकल्चर रिसर्च सैंटर के वैज्ञानिक हैं, ने कहा कि, उन्हें नवम्बर 2020 में नई प्रजाति की मछली की तस्वीरें मिली थीं, इस मछली की रंग बदलने की क्षमता को देखते हुए उन्होंने लिमाकुम से कहा कि, वे इसकी लाइव तस्वीरें शेयर करें ताकि इसका मूल रंग समझ में आ सके। बाडिस जीनस की इन मछलियों को, रंग बदलने की क्षमता के कारण गिरगिट मछली भी कहते हैं। इस क्षमता की वजह से यह आसपास के माहौल में रच बस जाती हैं। यह प्रजाति अपने जीनस की अन्य प्रजातियों से अलग है। इसके गलफड़ों (गिल्स) पर एक बड़ा काला धब्बा होता है, जैसा कि बाडिस एसामैन्सिस में पाया जाता है। लेकिन एसामैन्सिस की तरह इसके पूरे शरीर पर धब्बे नहीं पाए गए।

सुरक्षा में हुई चूक के मुद्दे पर संसद में भारी हंगामा, कार्यवाही स्थगित

लोकसभा से 15 और राज्यसभा से एक सांसद निलम्बित

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर। लोकसभा में बुधवार को विज़ीटर्स गैलेरी कूदकर चैम्बर में आए दो घुसपैठियों के प्रकरण को लेकर संसद में गुरुवार को भी हंगामा जारी रहा और उसके दोनों सदनों को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया।

अब विज़ीटर्स गैलेरी के सामने एक "ग्लास शील्ड" लगाकर सुरक्षा और मजबूत की गई है, जबकि लोकसभा सचिवालय ने कर्त्तव्य में कोताही बरतने को लेकर आठ अधिकारियों को निलम्बित कर दिया है।

राजस्थान के नेता पीयूष गोयल के प्रस्ताव पर टी.एम.सी. सांसद डेरेक ओ-ब्रायन को अनुचित व्यवहार के कारण निलम्बित कर दिया गया। ब्रायन ने जब सदन से बाहर जाने से इन्कार किया तो सभापति जगदीश धनखड़ ने उनके नाम को सदन की विशेषाधिकार कमेटी को रैफर कर दिया। कमेटी इस प्रकरण में तीन माह में निर्णय लेगी।

स्पीकर ओम बिड़ला द्वारा नाम गिनाए जाने के बाद विपक्ष के 15 सांसदों को निलम्बित कर दिया गया। इनमें कांग्रेस के नौ, माकपा के दो, द्रमुक के दो और भाकपा का एक सांसद है।

- लोकसभा से निलम्बित होने वाले 15 सांसदों में से 9 कांग्रेस के हैं।
- राज्यसभा से तृणमूल सांसद डैरेक ओ ब्रायन निलम्बित किया गए।
- बुधवार को संसद की सुरक्षा को धता बताते हुए दो युवक कैनिस्टर्स के साथ संसद में पहुंच गए और दो लोगों ने संसद के बाहर रंगबिरंगी गैस छोड़ी। विपक्षी सांसदों ने सुरक्षा चूक पर संसद में हंगामा किया व सरकार से वक्तव्य की मांग की।
- मैसूर के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा, जिन्होंने दो घुसपैठियों को पास जारी किए थे, ने स्पीकर के समक्ष अपना पक्ष रखा।

निलिम्बित किए गए कांग्रेसी सांसदों में मणिकम टैगोर, एम.डी. जावेद, वी.के. श्रीकंदन, बेन्नी बेहानन, डी.एम.के. के के. कनिमोई और एस.आर. पाथिबन, सी.पी.एम. के पी.आर. नटराजन व एस. वैंकटेशन और सी.पी.आई. के के. सुब्बारण्य शामिल हैं।

संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने दिन की शुरुआत में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें कांग्रेस के पांच सांसदों टी.एम. प्रतायन, हिबी एदन, ज्योतिमणि, राम्या हरिदास और दीन कुरियाकोसे को सत्र की शेष अवधि के लिए निलम्बित किए जाने की बात कही गई थी, इस दौरान बी. महताब सदन की अध्यक्षता कर रहे थे। लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही भी बार-बार स्थगन के बाद शुक्रवार प्रातः 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

बुधवार की घटना के बाद संसद की कार्यवाही गुरुवार को भारी तनाव के बीच शुरु हुई। लोकसभा में बुधवार को शून्यकाल के दौरान दो जने विज़ीटर्स गैलेरी से चैम्बर में कूद गए थे और उन्होंने कैनिस्टर्स से धूआँ छोड़ दिया। इस दौरान प्रधानमंत्री संसद में नहीं थे। वह मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा के दो नए मुख्यमंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोहों में भाग लेने गए हुए थे। प्रधानमंत्री ने कल की घटना पर विचार-विमर्श को लेकर वरिष्ठ मंत्रियों के साथ मीटिंग की।

इस बीच, मैसूर के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा, जिनके नाम पर दो जनों के लिए पास इश्यू किए गए थे, ने आरोपियों के बारे में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला को ब्रीफ किया। उन्होंने स्पीकर को बताया कि आरोपी मनोरंजन डी. का पिता उनके निर्वाचन क्षेत्र मैसूर का निवासी है तथा उसने नया संसद भवन देखने के लिए पास जारी करने का अनुरोध किया था।

इसके के साथ ही, इस मामले में अब तक पांच जने गिरफ्तार किए गए हैं, जबकि उन्हें अपने गुरुग्राम स्थित आवास पर पनाह देने वाला व्यक्ति फरार है। लोकसभा चैम्बर में कूदने वाले दो जनों, संसद भवन के प्रवेश द्वार से दो जनों और उनका सहयोग करने वाले दो अन्य को गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि, संसद की सुरक्षा व्यवस्था को भंग करने को लेकर छह जने पिछले कई महीनों से

(शेष पृष्ठ 4 पर)

तेलंगाना में बी.आर.एस. गठबंधन के मुद्दे पर भाजपा भारी असमंजस में

बी.आर.एस. से गठबंधन के मुद्दे पर प्रदेश भाजपा में भारी मतभेद उभर रहे हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर। तेलंगाना में कांग्रेस का अकस्मात और अप्रत्याशित पुनर्जीवन हुआ है। यहां से लोकसभा के 17 सांसद चुनकर जाते हैं, कांग्रेस ने अपने अब तक के प्रतिद्वंदी दलों, क्षेत्रीय दल, बी.आर.एस. एवं भाजपा दोनों के लिए असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है कि क्या उन्हें आगामी संसदीय चुनाव अलग-अलग लड़ना चाहिए या फिर कांग्रेस को तेलंगाना में मात देने के लिए एक समझौता कर लेना चाहिए।

हालांकि, भाजपा अभी कुछ समय पूर्व सम्पन्न हुए तीन राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जबरदस्त और अद्भूत विजय का कीर्तिमान स्थापित करने के बाद इन राज्यों में लोकसभा चुनाव के लिए काफी अच्छी स्थिति में नज़र आती है। कांग्रेस की अच्छी स्थिति में तेलंगाना में दोनों पार्टियों के राजनीतिक नेतृत्व एवं शीर्ष नेताओं को इस मामले में पुनर्विचार करने के लिए बाध्य कर दिया है।

तेलंगाना मे भाजपा जिस सवाल का जवाब तलाश रही है वह यह है कि क्या उसके लिए उस बी.आर.एस. पार्टी से समझौता करना बुद्धिमानीपूर्ण कदम होगा जिसे सत्ता विरोधी जबरदस्त लहर के चलते जनता ने हरा दिया और और पार्टी को नकारात्मकता का भी सामना करना पड़ा, जो संसदीय चुनावों के लिए वोट मांगने तक रह सकती है। हालांकि, जो मुद्दे विधानसभा चुनावों में हावी रहते हैं और जो लोकसभा चुनावों में छाए रहते है उनमें भारी अंतर होता है। भाजपा का एक वर्ग मानता है कि यदि कांग्रेस विरोधी वोटों का विभाजन नहीं होने देना है तो वे भारत राष्ट्र समिति दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं।

- भाजपा का एक गुट कांग्रेस विरोधी वोटों का विभाजन रोकने के लिए बी.आर.एस. से गठबंधन के पक्ष में है।
- साथ ही भाजपा का एक बड़ा गुट बी.आर.एस. के साथ गठबंधन का विरोध कर रहा है। उसका मत है कि, बी.आर.एस. क्षेत्र में भारी अलोकप्रिय है और उसके साथ से भाजपा को नुकसान होगा।
- इस गुट का कहना है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा अकेले ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करेगी।

परन्तु अभी भी, एक बड़ा गुट तेलंगाना में बी.आर.एस. के साथ समझौता करने के खिलाफ है जिसका धरातल पर जनसमर्थन खत्म हो गया है। प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं और कैडर में इस विचार को प्रचारित करने वालों का कहना है कि कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान प्रचारित किया था कि बी.आर.एस. और भाजपा दोनों एक साथ मिले हुए है और उसकी कीमत भाजपा को स्पष्टतौर पर चुकानी पड़ी है, क्योंकि बी.आर.एस. की तरफ चलने वाली सत्ता विरोधी लहर से भाजपा पूरी तरह से घिर गई थी और यह एक मुख्य कारण था जिसकी वजह भाजपा का बहुत ही खराब प्रदर्शन रहा।

यदि भाजपा ने उक्त प्रचलित धारणा के खिलाफ मजबूती से प्रचार किया होता और यदि तेज तर्रार स्थानीय नेताओं ने धुआंधार प्रचार अभियान चलाया होता तो भाजपा ने ये जो 8 विधानसभा सीटों पर विजय दर्ज की है इससे काफी बेहतर प्रदर्शन चुनावों में होता।

भाजपा के एक वर्ग के नेताओं के मन में यह खास विचार है और जो वोटों के प्रतिशत में वृद्धि दर्ज हुई है उससे यह पता चलता है और इसीलिए उन्हे यह महसूस होता है कि कांग्रेस ने जो चुनावों में धारणा उत्पन्न की उसका चुनावों में भाजपा के वोटो पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। यदि अब आगामी लोकसभा चुनावों के लिए भारत राष्ट्र समिति दल से गठबंधन किया जाता है तो इसकी वजह पार्टी को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा, ऐसा तेलंगाना भाजपा में गठबंधन के खिलाफ एक धड़ा मानता है।

परन्तु फिर भी, भाजपा-बी.आर.एस. गठबंधन के समर्थकों का कहना है कि ऐसा होने से कांग्रेस विरोधी वोटों का बंटवारा दो दिशाओं में विभाजित हो जाएगा और इससे कांग्रेस की विजय का रास्ता सीधा हो जाएगा। यह सुनिश्चित है उस समय मोदी समर्थक लहर होगी और ऐसा उस समय संभव हो जाता है जब मोदी स्वयं के लिए चुनाव लड़ रहे होते है और उस समय भाजपा की प्रगति में एक उछाल आएगा। परन्तु इसके बावजूद भी, यह जोखिम भरा कदम हो सकता है कि कांग्रेस मतदाताओं के वोट दो भिन्न दिशाओं में बंटें।

परन्तु, पार्टी मे दूसरे धड़े का यह मानना है कि संसदीय चुनावों के दौरान तेलंगाना में भी चुनावों के दौरान सीधी टक्कर भाजपा व कांग्रेस के मध्य ही होगी और बी.आर.एस. की तो बहुत ही सीमित भूमिका होगा। यदि औपचारिक रूप से भाजपा व बी.आर.एस. गठबंधन कर लेते हैं तो अल्पसंख्यक वोट निश्चित रूप से कांग्रेस के खाते में चले जाएंगे और इसके चलते ए.आई. एम.आई.एम. के लिए भी उसके अल्पसंख्यक वोटों को उसके पक्ष में रखना बहुत मुश्किल कार्य हो जाएगा।

विधानसभा चुनावों के दौरान

(शेष पृष्ठ 4 पर)

'सांसदों को किस अपराध में निलम्बित किया है'

नयी दिल्ली, 14 दिसंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद में सुरक्षा को लेकर सवाल पूछने पर पार्टी सांसदों के निलंबन को अलोकतांत्रिक करार देते हुए कहा कि सुरक्षा में चूक का मामला गंभीर है और इस मुद्दे को संसद में उठाने के कारण सांसदों का निलम्बन एक तानाशाही है।

- कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, संसद में सुरक्षा के बारे में सवाल पूछने पर 15 सांसदों का निलम्बन असल में लोकतंत्र का निलम्बन है।

खड़गे ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारे लोकतंत्र के मंदिर यानी संसद की सुरक्षा को खतरे में डालने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब इस मुद्दे को लेकर बात करने वालों को ही सजा दे रही है। संसद में हुई गंभीर सुरक्षा चूक को लेकर चर्चा करने की बात करने वाले विपक्ष के 15 सांसदों को सरकार ने संसद से निलंबित कर दिया, लेकिन

(शेष पृष्ठ 4 पर)

करणपुर में कांग्रेस ने सहानुभूति कार्ड खेला

पार्टी ने दिवंगत विधायक गुरमीत के पुत्र रूपिन्दर कुन्नर को मैदान में उतारा

जयपुर, 14 दिसम्बर (का.प्र.)। करणपुर विधानसभा के लिए 5 जनवरी 2024 को होने वाले चुनाव के लिए कांग्रेस ने दिवंगत पूर्व विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर के बेटे रूपेंद्र कुन्नर को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। उम्मीदवार घोषित होने के साथ ही कुन्नर ने नामांकन भी दाखिल कर दिया है।

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले करणपुर विधानसभा के प्रत्याशी और विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर का बीमारी के कारण निधन हो गया था। ऐसे में नियमानुसार चुनाव स्थगित हो गए थे और 25 नवंबर को हुए मतदान में 199 सीटों पर ही वोट डाले गए थे। इसके बाद चुनाव आयोग ने अब 5 जनवरी को चुनाव करवाने के लिए तिथि घोषित की है।

इस बार विधानसभा चुनाव में श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले में कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन के बावजूद राजस्थान में सरकार भाजपा बनी है। ऐसे में कांग्रेस के लिए इस सीट पर जीत हासिल करना काफी चुनौती भरा कार्य रहेगा। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार किसी रजिस्टर्ड पार्टी के उम्मीदवार का निधन हो जाता है ,तो चुनाव स्थगित कर दिए जाते है। ऐसे में सिर्फ उस पार्टी के नए उम्मीदवार को ही नामांकन करना होता है और बाकी पार्टियों के उम्मीदवार पूर्व की भांति ही रहते हैं। करणपुर में भाजपा की ओर से पूर्व मंत्री सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी और आम आदमी पार्टी की ओर से पृथ्वीपाल सिंह संधू चुनावी मैदान में हैं।

- करणपुर सीट के लिए 5 जनवरी 2024 को मतदान होगा तथा 8 जनवरी को चुनाव नतीजे घोषित होंगे।
- ज्ञातव्य है कि करणपुर के कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत कुन्नर के निधन की वजह से यहां राज्य की आम सीटों के साथ चुनाव नहीं हो सके थे।
- चुनाव के नियमों के तहत दिवंगत प्रत्याशी की जगह नए प्रत्याशी को मैदान में उतारा जाता है पर बाकी दलों के प्रत्यासी वही रहते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। आगामी 19 दिसंबर तक नामांकन लिए जा सकेंगे और 20 दिसंबर को संवीक्षा होगी। करणपुर विधानसभा सीट पर 249 मतदान केन्द्रों पर 5 जनवरी को मतदान होगा और 8 जनवरी को जिला मुख्यालय पर मतगणना होगी।

आईईडी ब्लास्ट में बी.एस.एफ. जवान शहीद

कांकेर, 14 दिसंबर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के धुर नक्सल प्रभावित परतापुर थाना क्षेत्र के माहला जंगलों में गुरूवार को नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया जिसकी चपेट में आने से

- छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के धुर नक्सल प्रभावित परतापुर थाना क्षेत्र के माहला जंगलों में गुरूवार को नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया जिसकी चपेट में आने से बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बी.एस.एफ.) का एक जवान शहीद हो गया।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

नए मुख्यमंत्री भजन लाल आज शपथ लेंगे

शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे

जयपुर, 14 दिसम्बर (का.सं.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और दो उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा शुक्रवार को शपथ लेंगे। शनिवार को सिर्फ तीन ही नेता शपथ लेंगे। मंत्रियों की नियुक्ति केंद्रीय नेतृत्व की हरी झंडी मिलने के बाद होगी होगी। इधर, अल्बर्ट हॉल (रामनिवास बाग) के बाहर होने वाले इस समारोह को भव्य बनाने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई है। समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा सहित 16 केंद्रीय मंत्री और विभिन्न राज्यों के 17 सीएम व डिप्टी सीएम शामिल होंगे।

शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों की भी झलक देखने को मिलेगी। समारोह स्थल पर भाजपा के झंडो और होर्डिंग काउंटर सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तमाम जन कल्याणकारी योजनाओं वाले पोस्टर और बैनर लगाए गए है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा सहित भाजपा पदाधिकारियों ने गुरुवार को समारोह स्थल का जायजा लिया।

- कार्यक्रम में कई केन्द्रीय मंत्री भी शामिल होंगे, इनमें अमित शाह, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, धर्मेन्द्र प्रधान, गजेन्द्र सिंह शेखावत, स्मृति इरानी, अर्जुन राम मेघवाल प्रमुख हैं।
- भाजपा की राज्य सरकारों के 17 मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री भी समारोह की शोभा बढ़ाएंगे, जिनमें उत्तर प्रदेश से योगी आदित्यनाथ, गुजरात के भूपेन्द्र पटेल, हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय प्रमुख हैं।
- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा व पार्टी तथा संघ के कई प्रमुख पदाधिकारी भी शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल के शपथ ग्रहण में 16 केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी, पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, प्रहलाद जोशी, अश्विनी वैष्णव, गजेन्द्र सिंह शेखावत, भूपेन्द्र यादव, हरदीप सिंह पुरी, अनुराग ठाकुर, अर्जुनराम मेघवाल, नित्यानंद राय, एसपी सिंह बघेल और मनसुख मांडविया शामिल होंगे।

वही मुख्यमंत्रियों में उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, गुजरात के भूपेन्द्रभाई पटेल, हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर, मध्यप्रदेश के मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे, अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू, असम के हिमंता बिस्वा सरमा, गोवा के प्रमोद सांवत, त्रिपुरा के माणिक साहा और मणिपुर के एन बीरेन सिंह समारोह में भाग लेंगे।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या व ब्रजेश पाठक, अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडनवीस और नगालैंड के यानभुंगो भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

शपथ ग्रहण समारोह के लिए राजस्थान सहित अन्य राज्यों के विशिष्ट लोगों को भी निमंत्रण भेजे गए हैं।

इसमें प्रबुद्धजनों सहित राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोग शामिल हैं। इसके अलावा खेल जगत और साहित्यिक जगत के खास लोगों को भी समारोह के लिए आमंत्रण भेजे गए हैं।

दम्पती ने तीन बच्चों सहित आत्महत्या की

बीकानेर, 14 दिसम्बर (निसं)। शहर के एमपी नगर थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के पांच लोगों ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का खुलासा अभी नहीं हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

- चार ने फांसी का फंदा लगा कर व एक ने विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या की। बताया जा रहा है कि परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

जानकारी के अनुसार घटना अंत्योदय नगर की है। इसकी सूचना क्षेत्र के लोगों ने थाना पुलिस को दी। अब तक सामने आया है कि स्वर्णकार परिवार के हनुमान सोनी के घर में गुरूवार दोपहर साढ़े ग्यारह-बारह बजे तक कोई

(शेष पृष्ठ 4 पर)